आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date: 30-01-15

हम भाग्यशाली बच्चों को आत्मा, परमात्मा और सृष्टि चक्र के आदि-मध्य-अन्त का सारा ज्ञान देकर आप समान मास्टर टीचर बनाने वाले, बेहद के टीचर-बाप ने कहा, मीठे बच्चे - तुम्हें सबको मुख्य दो बातें समझानी हैं - एक तो बाप को याद करो, दूसरा ८४ के चक्र को जानो फिर सब प्रश्न समाप्त हो जायेंगे.

ज्ञान सागर बाप ने हमें आत्मा, परमात्मा और सारे कल्पवृक्ष के आदि-मध्य-अन्त का बहुत गुह्य ज्ञान दिया हैं. यह सहज ज्ञान हम किसी को भी समझा सकते हैं. लेकिन सामने वाले को ज्ञान का तीर भी तब लगेगा जब हम बाप की याद में रहकर उसे यह ज्ञान सुनायेंगे. बाबा की याद सहज रुप से हमें तब रह सकती है जब हम स्वयं की देही-अभिमानी अवस्था बनायेंगे. जब हम खुद को आत्मा समझे और सामने वाले को भी आत्मा समझे और निराकार बाप की याद में रहकर उसे यह ज्ञान देंगे तो हमें सेवा में सफलता जरूर मिलेगी. वह आत्मा बाबा का बच्चा जरूर बनेंगी.

बाबा ने हमें दो मुख्य बातें सबको समझाने के लिए कहा है - १. बाप का परिचय देना २. सृष्टि चक्र का ज्ञान देना.

बाबा की आज की मुरली से इन दो बातों पर कहे गये महा-वाक्यों को स्वयं की आत्म-अभिमानी स्थिति में रहकर, बाप की याद में रहकर पढ़ेंगे.

- बाबा समझाते हैं अभी तुम बच्चों को गीता के भगवान की नॉलेज पुरुषोत्तम बनने के लिए मिलती हैं. गीता है ही धर्म स्थापना का शास्त्र, और अन्य कोई शास्त्र धर्म स्थापन अर्थ नहीं होते हैं. सर्व शास्त्रमई शिरोमणि है ही गीता. बाकी सब धर्म तो हैं ही पीछे आने वाले.

- बाबा समझाते हैं बच्चे जानते है वृक्षपति एक ही बाप है. अब तुम जानते हो वह हमारा बाप भी है, पति भी है तो सबका पिता भी है. उनको पतियों का पति, पिताओं का पिता....कहा जाता है. यह महिमा भी एक निराकार बाप के लिए ही गाई जाती है.

- बाबा समझाते हैं किसको भी पहले-पहले बाप का परिचय देते हो तो कहो यह सारा ज्ञान भगवान स्वयं हमें देते हैं. भगवान को जान जायेंगे तो तुम्हारे सब प्रश्न समाप्त हो जायेंगे.

- बाबा समझाते हैं तुम्हें यह दो मुख्य बातें सबको समझानी है - सत्य बाप को जानकर उन्हें याद करो और सृष्टि चक्र को भी जानो.

- बाबा समझाते हैं पहले-पहले तुम्हें बाप का परिचय देना हैं. आगे बताओ कि बाप ही स्वर्ग स्थापन करने वाला हैं. अभी हमारी एम ऑबजेक्ट लक्ष्मी-नारायण जैसा देवी-देवता बनने की हैं. बाप तो है ही सबसे ऊंच ते ऊंच. बाबा महामंत्र देते है मुझे याद करो तो तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे और विष्णु पुरी में आ जायेंगे.

- बाबा समझाते हैं तुम सबको ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा पर भी समझा सकते हो. आधाकल्प है ब्रह्मा का दिन और आधाकल्प है ब्रह्मा की रात, वैसे ही ब्रह्मा की रात सो विष्णु की रात, ब्रह्मा का दिन सो विष्णु का दिन कहा जाता हैं. सिर्फ इस लिप जन्म का फर्क पड़ जाता हैं.

- बाबा समझाते हैं तुम्हें लक्ष्मी-नारायण के चित्र के सामने यह समझाना है कि अभी बाप द्वारा हमको यह पद मिलता हैं. नर्क का विनाश तो होना ही हैं. बाप ने ही हमें यह ईश्वरीय मत दि हैं. यह ईश्वरीय मत हमें सारे कल्प में एक बार ही मिलती हैं. बाबा आते ही है देवी-देवता धर्म कि स्थापना करने.

- बाबा समझाते हैं तुम बहुत सेवा कर सकते हो. तुम्हें सेवा में सफलता तब होगी जब ज्ञान की प्वाइंन्ट्स बुद्धि में होंगी, ज्ञान में मस्त होंगे. तुम सेवा की बहुत युक्तियां निकाल सकते हो. रामायण, भागवत में ऐसी बहुत बातें हैं, जिस पर तुम समझा सकते हो. बोलो, कल्याणकारी बाप अभी सबका कल्याण करते हैं. वह भक्ति बिल्कुल अलग है, यह ज्ञान अलग है. ज्ञान एक ज्ञानेश्वर बाप ही आकर देते हैं. वही ऊंच ते ऊंच भगवान हैं. उनसे ही स्वर्ग का २१ जन्मो का वर्सा मिलता हैं. ॐ शांति.

Thank You for Sharing You Experiences/Feedbacks/Queries to Atma Bhai on a.brahmin.soul@gmail.com .